राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 10 सितम्बर 2025

वर्ष 16, अंक 54, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्रामवासियों ने विधायक मनीष रावत जी को सौंपा प्रार्थना पत्र, सड़क निर्माण की लगाई गुहार...03

भ्रष्टाचारः आफत आने से पहले ही कराह उठती है 'आहत मथुरा'.....04

बाढ़-बारिश की तबाही पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, केंद्र सरकार को भेजा नोटिस, 4 राज्यों से भी मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर भारत में मानसून के इस सीजन में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बाढ़ की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर केंद्र सरकार और इन चार राज्यों को नोटिस भेजा है। कोर्ट ने तीन हफ्तों के भीतर इन राज्यों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है ताकि बाढ़ के कारणों और उसके निवारण के उपायों का पता लगाया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख और चिंता

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इस वर्ष की भारी बारिश और विकराल बाढ़ पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस बार जो बाढ़ आई है वह सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं लगती, बल्कि इसमें मानव जनित कारण भी हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के दौरान बड़ी मात्रा में लकड़ी के लट्ठ बहते देखे गए, जिससे अवैध कटाई की आशंका जताई जा रही है। इस कारण सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चार राज्यों से बाढ़ से जुड़े मुद्दे पर रिपोर्ट मांगी है। सॉलिसिटर जनरल को भी निर्देश दिए गए हैं कि केंद्र सरकार इस मामले को गंभीरता से ले।

पंजाब में बाढ़ की भयावह स्थिति

पंजाब में इस मानसून सीजन की बाढ़ सबसे विकराल मानी जा रही है। साल 1988 के बाद पहली बार प्रदेश के सभी 23 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जैसे जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। लगभग 1500 से 1600 गांव पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। 1.48 लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो चुकी हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इस भीषण बाढ़ में करीब 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और लगभग साढ़े तीन लाख लोग बेघर हो गए हैं। सतलुज और रावी नदियां उफान पर हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत शिविर बनाए गए हैं और पुनर्वास की जरूरत महसूस की जा रही है। पंजाब सरकार ने सभी प्रभावित जिलों को आपदा प्रभावित घोषित कर दिया है। इसके अलावा, भाखड़ा डैम में पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है, जो चिंताजनक है।

हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की बिगड़ी हालत

हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश ने बड़ी तबाही मचाई है। भारी बारिश के कारण अब तक बादल फटने की 45 और भूस्खलन की 95 घटनाएं हुई हैं। कुल्लू, मंडी, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा, शिमला, सिरमौर और सोलन जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। हजारों सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, और चंडीगढ़-मनाली हाईवे की सड़क ब्यास नदी के उफान से बह गई है। सतलुज, टोंस, यमुना और गिरि नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। हिमाचल में 50 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 4000 से अधिक घर तबाह हो चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के रामबन, रियासी, उधमपुर, डोडा, कटरा और श्रीनगर में भी भारी बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं ने भारी नुकसान पहुंचाया है। चिनाब, झेलम और तवी नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। जम्मू-श्रीनगर हाईवे की सड़क भी बाढ़ में बह गई है, जिससे वैष्णो देवी यात्रा तक बाधित हुई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को 10 करोड़ रुपये राहत कार्यों के लिए आवंटित किए हैं। कई इलाकों से लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं।

उत्तराखंड में भी आपदा की स्थिति

उत्तराखंड में भी भारी बारिश और बाढ़ की वजह से कई इलाके प्रभावित हुए हैं। भूस्खलन, सड़क टूटने और बाढ़ के कारण कई जगह संपर्क टूट गया है। राज्य सरकार ने राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता दी है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में राहत कार्य कर रही हैं। कई पहाड़ी क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

क्यों बनी यह बाढ़ इतनी विकराल?

सुप्रीम कोर्ट ने इस बार की बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा नहीं माना है। कोर्ट का मानना है कि अवैध कटाई और पर्यावरणीय अनियंत्रण के कारण बाढ़ की गंभीरता बढ़ी है। जंगलों की कटाई से नदियों में जलधारण क्षमता कम हुई है और भूक्षरण बढ़ा है, जिससे बाढ़ का प्रभाव ज्यादा हुआ है। यह मानव जनित कारण है जिसने प्राकृतिक आपदा को और विकराल रूप दिया है।

सरकार और प्रशासन की भूमिका

बाढ़ प्रभावित राज्यों की सरकारें राहत कार्यों में जुटी हैं। पंजाब सरकार ने आपदा प्रभावित जिलों में फौरी राहत उपलब्ध कराई है। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर सरकारें भी भारी बारिश के कारण प्रभावित इलाकों में बचाव और पुनर्वास का काम कर रही हैं। केंद्र सरकार को भी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से इस मामले पर रिपोर्ट देने को कहा गया है ताकि इस आपदा से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

यूपीएससी में 2 बार फेल, पर ठगी में मास्टर...पत्नी इंजीनियर, पिता रिटायर्ड डॉक्टर

●फर्जी IAS सौरभ त्रिपाठी की मायावी दुनिया का पर्दाफाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पुलिस, प्रशासन और सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खुद को IAS अफसर बताने वाला सौरभ त्रिपाठी असल में न तो किसी सरकारी पद पर था, न ही UPSC पास किया था - बावजूद इसके, उसका रसूख और रुतबा ऐसा कि अफसर भी भ्रमित हो गए। वह फॉर्च्यूनर से चलता था, लाल-नीली बत्तियां लगवाता था, गाड़ियों पर 'भारत सरकार' और 'उत्तर प्रदेश शासन' के फर्जी पास लगाए जाते थे। उसके साथ एक वर्दीधारी 'सुरक्षाकर्मी' भी चलता था। जब वजीरगंज पुलिस ने इसे कारगिल शहीद पार्क के पास एक चेकिंग के दौरान पकड़ा, तो खुलासों का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ जिसने पूरे प्रशासन को हिला दिया।

चमक-धमक में छिपा फरेब

सौरभ त्रिपाठी का रहन-सहन किसी उच्चाधिकारी से कम नहीं था। लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर विस्तार के शालीमार वन वर्ल्ड सोसाइटी में वह ऐसे रहता था जैसे कोई सीनियर ब्यूरोक्रेट हो। फॉर्च्यूनर, डिफेंडर, मर्सिडीज और इनोवा सहित छह गाड़ियों का काफिला, गाड़ियों पर फर्जी पास, और सोशल मीडिया पर खुद को IAS प्रोजेक्ट करने वाली पोस्ट - इन सबने उसे असल अधिकारी की तरह पेश किया। उसने कथावाचक प्रेमभूषण महाराज से लेकर कई मंत्रियों और अफसरों के साथ तस्वीरें खिंचवाई और अपने ट्विटर हैंडल (@Saurabh_IAAS) पर पोस्ट कीं, ताकि उसका झूठ मजबूत हो।

कैसे करता था ठगी?

सौरभ अलग-अलग राज्यों में अपनी पहचान भी अलग रखता था। उत्तर प्रदेश में वह खुद को विशेष सचिव (राज्य सरकार) बताता, तो दिल्ली व उत्तराखंड में संयुक्त सचिव (भारत सरकार) बन जाता। फर्जी NIC ईमेल आईडी, नकली पास और विजिटिंग कार्ड के जरिए वह सरकारी कार्यक्रमों में एंट्री पाता था। वह अधिकारियों पर रौब डालता, बैठकों में शामिल होता, लोगों को काम कराने का झांसा देकर पैसे लेता और यहां तक कि कारोबारियों से महंगे गिफ्ट भी हासिल करता था।

ऐसे हुआ पर्दाफाश

मंगलवार देर रात लखनऊ के वजीरगंज थाने की पुलिस ने कारगिल शहीद पार्क के पास वाहन चेकिंग में उसकी फॉर्च्यूनर को रोका। गाड़ी में लगी बत्तियों और सचिवालय पास ने पुलिस को संदेह में डाला। जब सौरभ ने खुद को IAS बताकर अधिकारियों के नाम गिनाने शुरू किए, तब इन्स्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने सख्ती दिखाई और पूछताछ में असलियत सामने आ गई।

उसके पास से बरामद हुआ

- आठ बैंक कार्ड (विभिन्न नामों से)
- फर्जी पहचान पत्र
- सचिवालय पास
- NIC का नकली मेल आईडी
- डायरी और 11,000 नकद

UPSC फेल, पर ठगी में मास्टर

सौरभ त्रिपाठी मऊ जिले का निवासी है, पिता रिटायर्ड डॉक्टर और पत्नी इंजीनियर हैं। खुद ने कंप्यूटर साइंस से B.Tech किया और CDAC (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग) में जॉइंट डायरेक्टर रह चुका है। वहीं से उसे मिली सरकारी ईमेल आईडी जिसका गलत इस्तेमाल शुरू हुआ। दो बार UPSC में असफलता के बाद उसने फर्जी IAS' बनने का रास्ता चुना। उसके दिल्ली, नोएडा और लखनऊ में ठिकाने मिले हैं। पुलिस को संदेह है कि उसके पीछे एक संगठित फर्जीवाड़ा गिरोह काम कर रहा है।

प्रशासन के लिए चेतावनी

सौरभ जैसे शातिर जालसाज़ कैसे सरकारी बैठकों में पहुंचते हैं? कैसे पास, मेल आईडी और सिक्योरिटी मैनजमेंट की इतनी बड़ी चूक हो सकती है? यह सवाल प्रशासन के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। पुलिस आयुक्त (पश्चिमी) विभूति श्रीवास्तव के अनुसार, विस्तृत जांच शुरू की गई है और साइबर सेल को भी लगाया गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

कम्पोजिट विद्यालय लेदवा के शिक्षक मुस्तन शेरुल्लाह राज्य शिक्षक पुरस्कार से हुये सम्मानित

सिद्धार्थनगर। शिक्षक दिवस पर लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक राज्य पुरस्कार से शिक्षक मुश्तन शेरुल्लाह को सम्मानित किया गया। ब्लॉक शोहरतगढ़ के कम्पोजिट विद्यालय लेदवा के शिक्षक मुस्तन शेरुल्लाह को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने पर लोगों में खुशी है। मुस्तन शेरुल्लाह को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह व माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने जनपद सिद्धार्थनगर के ब्लॉक शोहरतगढ़ के कम्पोजिट विद्यालय लेदवा के शिक्षक मुस्तन शेरुल्लाह को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें शिक्षा मंत्री ने प्रशस्ति-पत्र, मां सरस्वती की स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उनके सम्मानित होने पर ब्लॉक व जनपद के शिक्षकों, बच्चों, अभिभावकों और समाज के अन्य नागरिकों में अपार खुशी है। राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित हुए शिक्षक मुस्तन शेरुल्लाह ने कहा कि बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने की ओर विद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ अग्रसर हैं। छात्रों के निरंतर आगे बढ़ने और उनकी सफलता पर खुशी मिलती है। छात्रों के जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश से उजियारा कर सकें यही मंशा है।

विश्व हिन्दू परिषद् की प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक 7 सितम्बर को प्रातः 9 बजे

मीरजापुर। विश्व हिन्दू परिषद काशी प्रान्त धर्माचार्य सम्पर्क विभाग, का प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक का आयोजन कर रहा है। यह बैठक रविवार, 7 सितंबर को मिर्जापुर के चुनार स्थित सुरभि शोध संस्थान, रामबाग में सुबह 9 बजे से शुरू होगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूज्य सन्तो द्वारा हिन्दू धर्म की नित्य-नैमित्तिक उपासना और अनुष्ठानों से संबंधित आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। यह जानकारी विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख आद्याशंकर जी ने दिया।

सेफ्टी टैंक साफ करते समय जहरील गैस से दो लोगों की मृत्यु

ब्यूरो प्रयागराज। सैदाबाद के बगलनिमहार माता मंदिर के प एक्सेप्टेड टैंक साफ करते समय दो लड़के जहरीली गैस की चपेट में आने से दो सफाई करने वाले की मौत हो गई। बताया जाता है कि आज दोपहर में सैदाबाद के बगल निमहरहा माता मंदिर के बगल एक सेफ्टी टैंक की सफ़ैके लिए धर्मराज 48 वर्ष तथा विजय कुमार 16 वर्ष अंदर गये जहां जहरीली गैस की चपेट में आ गए और बेहोश हो गए गांव वालों के सहयोग से उन्हें जल्दी बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई।सैदाबाद चौकी की पुलिस ने तत्काल उन्हें सीएचसी में ले जाया गया जहां से दोनों को sm भेजा गया जहां दोनों मृत घोषित कर दिए गए।

बाढ़ से कितना हुआ नुकसान? PM मोदी को रिपोर्ट सौंपेंगे शिवराज, बोले- किसानों संग खड़ी है केंद्र सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि वह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य में बाढ़ की स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। चौहान ने सोशल मीडिया मंच चएक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं पंजाब में हुए नुकसान की एक विस्तृत रिपोर्ट प्रधानमंत्री को सौंपूंगा। संकट बड़ा है लेकिन केंद्र सरकार इस संकट से उबरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।कृषि मंत्री ने कहा कि पूरे पंजाब में बाढ़ की वजह से फसलें नष्ट हो गई हैं और संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सुनियोजित पुनर्निर्माण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि राज्य को उबारने में मदद के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियों की जरूरत है। बाढ़ के बाद की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए चौहान ने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने पर बीमारियों का प्रकोप देखने को मिल सकता है लिहाजा सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, च्च्मृत पशुओं का सुरक्षित निपटान करना होगा ताकि बीमारी न फैले। खेतों में गाद जमा हो गई है, उसे हटाने की योजना बनानी होगी ताकि अगली फसल खतरे में न पड़े। कृषि मंत्री ने भीषण बाढ़ के लिए सतलज, व्यास, रावी और घग्गर नदियों के किनारे बने तटबंधों के कमज़ोर होने को आंशिक रूप से जिम्मेदार ठहराया, जो अवैध खनन गतिविधियों के कारण कमजोर हो गए हैं। उन्होंने कहा, अब उन ढांचों को मजबूत करना जरूरी है ताकि पंजाब को भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचाया जा सके। चौहान ने पीड़ितों को भोजन, कपड़े और दवाएं उपलब्ध कराने वाले हजारों समाजसेवियों की सेवा भावना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आपदा की इस घड़ी में न केवल पंजाब, बल्कि पड़ोसी राज्यों के लोगों ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। एकता और सेवा की यह भावना हमें बड़े से बड़े संकट से भी उबरने की शक्ति देती है। पंजाब सरकार ने भारी बारिश और नदियों के उफान के बाद सभी 23 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित कर दिया है। लगभग 1,48,590 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और 1,400 से ज़्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं जिससे 3.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। गुरदासपुर इस बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है जिसके 324 गांव चपेट में हैं। उसके बाद अमृतसर (135 गांव) और होशियारपुर (119 गांव) का स्थान है। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए दो आकलन दल तैनात किए हैं।

कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीणो ने किया प्रदर्शन

● संदिग्ध अवस्था में गुरुवार की रात्रि कस्बा वासियों को मिला था वाहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बीते दिनों आसमान में ड्रोन उड़ने तथा चोरियों को लेकर लोग रात रात भर जाग कर पहरा दे रहे हैं,ऐसे में बीते 4 सितंबर की रात्रि भवानीगंज थाना क्षेत्र के भवानीगंज बढ़नीचाफा जाने वाले मार्ग पर कस्बे में ग्रामीणों को रात्रि एक बजे के आसपास एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया जिसे देख कस्बा वासी एकत्रित हो गये और भवानीगंज पुलिस को सूचना दी,सूचना पाकर थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाह मय पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गए,और वाहन को कब्जे में लिया,घटने में एक संदिग्ध व्यक्त का सी सी टी वी फुटेज भी सामने आया।घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी थी।उक्त मामले को लेकर कस्बा वासियों ने थाने में तहरीर दी,लेकिन मामले में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न कर वाहन को छोड़ दिया गया। जिसको लेकर भारी संख्या में कस्बे के ग्रामीण उग्र हो गए और डुमरियागंज चन्द्रीपघाट मार्ग को जाम कर दिया।पुलिस प्रशासन के घंटों मशक्कत के बाद जाम को खत्म कराया गया। मामला बढ़ता देख मौके पर सी ओ डुमरियागंज तहसीलदार डुमरियागंज सहित पथरा, डुमरियागंज, खेसरहा आदि थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। कस्बा वासियों से सी, ओ व तहसीलदार ने कारवाई का आश्वासन दिया और कुछ समय बाद पुलिस ने कार्रवाई कर संदिग्ध व्यक्त को गिरफ्तार कर लिया। तब जाकर कर लोग संतुष्टि और मामला शांत हुआ।

सहायक विकास अधिकारी पंचायत के गायब रहने की शिकायत प्रमुख ने डी पी आर ओ से की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

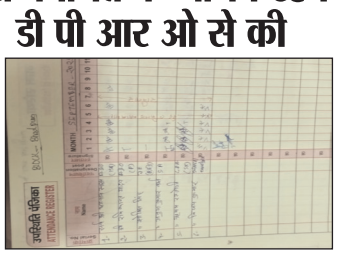

बरेली/विकासखंड भदपुरा मैं कार्य रत सहायक विकास अधिकारी पंचायत रविकांत यादव के आए दिन ब्लॉक से गायब रहने के कारण ब्लॉक की व्यवस्था चौपट होती जा रही यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार अचानक ब्लॉक कार्यालय पहुंच गए उनके समक्ष कई दर्जन लोग अपनी फरियाद लेकर आए इसको देखकर वह दंग रह गए। उन्होंने उपस्थिति पंजिका मंगवा कर अवलोकन किया तो सहायक विकास अधिकारी पंचायत रविकांत यादव 1 सितंबर से लेकर आज तक गायब मिले इस मामले की उन्होंने शिकायत जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर से की और उपस्थिति पंजिका की फोटो खींचकर उनको भेज दी गई साथ ही उन्होंने पूछा क्या पूरे सातों दिन आपकी जनपद में ही बैठक रहती है। जैसा के फरियादियों ने बताया कि जब भी फोन किया जाता है तो सहायक विकास अधिकारी पंचायत जिले पर बैठक होने का बहाना कर देते हैं जिसके कारण यहां के अन्य सचिवों ने भी ब्लॉक मुख्यालय आना उचित नहीं समझा क्योंकि यहां के खंड विकास अधिकारी ओमप्रकाश प्रजापति पर दो विकासखंड होने के कारण फिर भी वह आते हैं।

परंतु रविकांत यादव आए दिन नदारत रहते हैं ब्लॉक प्रमुख ने इस कृत्य पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा इन्हें किसी अच्छे विकासखंड में शिफ्ट कर दिया जाए जहां यह अपनी मर्जी का हल चला सके यहां पर किसी दूसरे व्यक्ति को भेज दिया जाए क्योंकि 1 सितंबर से लेकर 6 सितंबर तक इन्होंने विकास मुख्यालय पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है जिसके कारण यहां के सचिव भी निरंकुश होते जा रहे हैं फरियादी आकर बैरिंग लौट रहे हैं अन्यथा यह मामला जिला अधिकारी के पटल पर रखा जाएगा।

दिल्ली के आरडब्ल्यूए व व्यापारी समेत देश भर से लोग पंजाब को सहयोग कर रहे हैं, पूरा देश पंजाब के साथ खड़ा है- केजरीवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज भीषण बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री लेकर बुधवार सुबह पंजाब के लिए रवाना हो गए। दिल्ली से "आप"द्वारा बाढ़ राहत सामग्री की यह पहली खेप पंजाब भेजी गई है। ÷आप÷ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज बाढ़ राहत की सामग्री लेकर पंजाब पहुंच रहे हैं। दिल्ली से हर रोज़ बाढ़ राहत सामग्री के ट्रक लेकर "आप"के नेता, विधायक, सांसद व आम लोग भी पंजाब जाएंगे और वहां अपनी सेवा देंगे। बहुत सारे आरडब्ल्यूए और व्यापारी भी अपने अपने स्तर पर पंजाब की इस त्रासदी में अपना सहयोग कर रहे हैं। देश भर से लोग पंजाब के लिए अपना सहयोग कर रहे हैं। आज पूरा देश पंजाब के साथ खड़ा है। उधर, "आप" के वरिष्ठ नेता व पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि पंजाब में बाढ़ पीड़ित भाइयों-बहनों की मदद के लिए आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता दिल खोलकर आगे आ रहे हैं। आज दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज राहत सामग्री लेकर पंजाब पहुंच रहे हैं। दिल्ली से राहत सामग्री लेकर पंजाब के लिए रवाना होने से पहले "आप" के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने बुधवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा कि पंजाब में बहुत भीषण बाढ़ आई है और इससे बहुत सारे लोगों की खेती, जानवरों, संपत्ति आदि का नुकसान हो रहा है। इसके लिए आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार, सरकार के मंत्री-विधायक और वहां के लोग समेत सभी दल राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल ने भी कहा था कि जो जैसे सेवा कर सकता है, उसे सेवा करनी चाहिए। क्योंकि जब भी देश पर कोई विपत्ति आई, जब-जब कहीं बाढ़ आई, भूकंप आया, न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में कहीं दो देशों में युद्ध भी हुआ और उसमें लोगों को नुकसान हुआ, तो सबसे पहले लंगर शुरू करने वाले हमारे पंजाबी और सिख भाई होते हैं। गुरुद्वारे की सेवा सबसे पहले ऐसी जगह पहुंचती है, जहां मीडिया भी नहीं पहुंच पाता। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि "आप"के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक की विधानसभा राजेंद्र नगर और दिल्ली की ओर से हम लोग राहत सामग्री की पहली खेप पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए रवाना कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल के निर्देशानुसार मैं खुद भी इस ट्रक के साथ पंजाब जा रहा हूं। अब हर दिन आम आदमी पार्टी के लोग इस तरह ट्रक लेकर अपनी सेवा करने के लिए तन, मन, धन से पंजाब पहुंचेंगे। "आप" के सभी कार्यकर्ताओं से भी कहा गया है कि जो हो सके, उन्हें मदद करनी चाहिए। क्योंकि पंजाबियों व सिखों ने पूरे देश के लिए हमेशा किया है। हम यह जो कर रहे हैं, वह उन्हीं लोगों की सेवा से प्रेरणा लेकर कर रहे हैं, जो सदियों से चली आ रही है। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि पंजाब में भयंकर बाढ़ आई हुई है। पंजाब सरकार, मंत्री, और सभी लोग राहत कार्य में जुटे हुए हैं। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल जी ने सभी से अपील की थी कि ज़रूरतमंदों की सेवा में आगे आएँ। हमारे पंजाबी, सिख भाई हर आपदा के समय सबसे पहले लंगर खोलकर सेवा करते हैं। आज दिल्ली से राहत सामग्री की पहली खेप पंजाब भेजी जा रही है। अरविंद केजरीवाल जी के निर्देश पर मैं भी इस सामग्री के साथ पंजाब जा रहा हूं।

खग्रास चन्द्र ग्रहणरू आस्था विज्ञान और ज्योतिषीय दृष्टि

7 और 8 सितम्बर 2025 की मध्यरात्रि भारत सहित दुनिया के बड़े हिस्से में एक खग्रास चन्द्र ग्रहण घटित होने जा रहा है। खग्रास चन्द्र ग्रहण का अर्थ है कि चन्द्रमा पूर्णतः पृथ्वी की छाया में आ जाएगा और कुछ समय तक उसका सम्पूर्ण प्रकाश लुप्त हो जाएगा। यह दृश्य वैज्ञानिक दृष्टि से जितना अद्भुत हैए उतना ही धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व रखता है। भारत जैसे देश मेंए जहाँ ग्रहणों को केवल खगोलीय घटना नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन से जुड़ा हुआ मानकर देखा जाता हैए यह घटना स्वतः ही चर्चा और जिज्ञासा का विषय बन जाती है।

खगोलीय परिप्रेक्ष्य

चन्द्र ग्रहण तब घटित होता है जब सूर्य और चन्द्रमा के बीच पृथ्वी आकर उसकी छाया चन्द्रमा पर डाल देती है। इस बार यह पूर्ण खग्रास रूप में होगा। भारतीय समयानुसार ग्रहण 7 सितम्बर को रात 9:57 बजे शुरू होकर 8 सितम्बर को 1:6 बजे समाप्त होगा। कुल अवधि तीन घंटे 29 मिनट की रहेगी। ग्रहण का मध्यकाल रात 11:42 बजे होगा। इस दौरान सम्पूर्ण भारत में चन्द्रमा लालिमा लिए हुएए छाया से आच्छादित दिखेगा। वैज्ञानिक दृष्टि से यह दृश्य किसी उत्सव से कम नहीं। खगोलशास्त्रीए विद्यार्थी और विज्ञान.प्रेमी लोग इसे उत्साह से देखेंगे। यह एक दुर्लभ अवसर है जब नग्न आंखों से ब्रह्मांडीय गणित और खगोलीय गति का प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

भारतीय परंपरा में ग्रहण का विशेष स्थान है। इसे केवल खगोलीय घटना नहीं बल्कि अध्यात्म से जुड़ा हुआ समय माना जाता है। ग्रहण काल को साधनाए जपए ध्यानए दान और तपस्या के लिए विशेष फलदायी कहा गया है। इसी कारण ग्रहण प्रारंभ होने से लगभग नौ घंटे पहले ही ष्सूतकष् लग जाता है और धार्मिक कर्मकांडों पर रोक लगाई जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि ग्रहण के समय किया गया मंत्रजाप और दान हजार गुना फलदायी होता है। यही कारण है कि आस्थावान लोग ग्रहण के समय स्नानए जप और दान का विशेष महत्व मानते हैं। दूसरी ओरए सामान्य जनमानस में ग्रहण को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं.जैसे भोजन में कुशा डालनाए गर्भवती महिलाओं को सावधानी बरतने की सलाहए या ग्रहण के समय अनावश्यक कार्यों से दूर रहना।

ज्योतिषीय प्रभाव

यह ग्रहण भाद्रपद पूर्णिमा परए पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्र और कुम्भ राशि में घटित हो रहा है। ज्योतिष के अनुसार इसका सीधा प्रभाव कुम्भ राशि और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्र वाले जातकों पर पड़ेगा। इनके लिए यह समय चुनौतिपूर्ण और कष्टप्रद बताया गया है।

सामान्य राशिफल भी मिश्रित फल की ओर संकेत करता है.

मेष व धनु राशि वालों को लाभ और सुख की प्राप्ति होगी।

वृष और कन्या राशि वालों को मानसिक संतोष मिलेगा।

मिथुन, कर्क सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ और मीन जातकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

इसके अतिरिक्त चन्द्रमा पर राहु की छाया और सूर्य.बुध.केतु का संयोग समाज में अस्थिरता का संकेत देता है। युद्ध की आशंकाए प्राकृतिक आपदाएँए रोग और मूल्यवृद्धि जैसी संभावनाएँ भी जताई जा रही हैं। हालांकिए गुरु की दृष्टि से इन विपरीत परिस्थितियों का प्रभाव धीरे.धीरे शांत हो जाएगा।

सामाजिक और राजनीतिक संकेत

भारतीय परंपरा में ग्रहणों को केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहींए बल्कि समाज और राजनीति के लिए भी संकेतक माना जाता है। यह ग्रहण रविवार को पड़ रहा है। ज्योतिषियों का मानना है कि इससे वर्षा की कमीए धान्य की अल्पता और शासकों के बीच विवाद की स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। कुछ क्षेत्रों में राजनीतिक अस्थिरता और अशांति भी देखी जा सकती है। कलात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ग्रहण विशेष है। धृति योग में घटित होने के कारण यह संगीतए नृत्य और फिल्म.जगत से जुड़े लोगों के लिए कठिन समय ला सकता है। वहीं व्यापार और नौकरीपेशा वर्ग के लिए भी यह ग्रहण शुभ नहीं माना गया है।

लोकमानस में ग्रहण

भारतीय ग्रामीण और शहरी समाज में ग्रहण का स्वरूप धार्मिक अनुष्ठान और सामाजिक सावधानी से भरा होता है। ग्रहण के समय लोग प्रायः उपवास रखते हैंए मंदिरों के पट बंद कर दिए जाते हैं और लोग भजन.कीर्तन व मंत्रोच्चार में लीन हो जाते हैं। दूसरी ओर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचने वाले लोग इन परंपराओं को अंधविश्वास मानते हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि भारतीय समाज में विज्ञान और आस्था दोनों साथ.साथ चलते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए ग्रहण का समय विशेष रूप से संवेदनशील माना जाता है। उन्हें परंपरागत रूप से सब्ज़ी काटने सिलाई-बुनाई या अन्य धारदार कार्यों से दूर रहने की सलाह दी जाती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान इसके पीछे कोई ठोस कारण नहीं मानताए परंतु यह परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आई है।

आस्था बनाम विज्ञान

यह प्रश्न हमेशा उठता है कि क्या ग्रहण का कोई वास्तविक असर जीवन पर पड़ता है या यह केवल सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यता हैघ् वैज्ञानिक दृष्टि से ग्रहण केवल एक खगोलीय घटना हैए जिसका मनुष्य के जीवन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ता। किंतु ज्योतिष यह मानता है कि चन्द्रमा और सूर्य जैसे खगोलीय पिंडों का पृथ्वी पर गहरा असर होता है और उनकी स्थिति मनुष्य के जीवन में सुख.दुःखए उत्थान.पतन का निर्धारण करती है। इस विवाद को सुलझाना आसान नहीं। विज्ञान और आस्थाए दोनों अपनी जगह पर सही हैं। विज्ञान हमें तथ्य देता हैए जबकि आस्था हमें मानसिक और सामाजिक संबल प्रदान करती है। वास्तव में ग्रहण का महत्व इसी संगम में है।

निष्कर्ष

7 सितम्बर की रात का खग्रास चन्द्रग्रहण केवल आकाश में घटित होने वाली खगोलीय घटना भर नहीं है। यह हमारी परंपराओंए हमारी आस्था और हमारी सामूहिक चेतना से जुड़ा हुआ क्षण है। वैज्ञानिक इसे आकाशीय अद्भुत दृश्य मानकर निहारेंगेए धर्मनिष्ठ लोग इसे साधना और दान का अवसर बनाएंगेए और ज्योतिषी इसे आने वाले समय की परिस्थितियों का संकेत मानेंगे। ग्रहण हमें याद दिलाता है कि ब्रह्मांड में सब कुछ निरंतर गति में है। यह गति ही जीवन है। चाहे हम इसे विज्ञान की दृष्टि से देखें या आस्था कीए ग्रहण हमें आत्ममंथन का अवसर अवश्य देता है.हम कहाँ खड़े हैंए हमारे कर्म क्या हैं और आने वाले समय के लिए हमें किस दिशा में आगे बढ़ना है।

महेन्द्र तिवारी

नक्सलवाद सभ्य समाज का जहरीला फोड़ा और मानवता पर काले कलंक के समान

नक्सलवाद मानवता की उन जटिल समस्याओं में से एक है,जिसके जरिये नक्सली निर्दोष लोगों पर हमला करते है।पुलिस और प्रशासन नक्सलियों पर एक नजर बनए हुई है।नक्सलवादी आंदोलन के प्रेरणा कानू सान्याल ने राजनीति का शिकार होने के कारण आत्महत्या कर ली।वर्तमान सरकार के अथक प्रयासों से विकास की गति त्रीव हो रही है।नक्सलवाद समाज के लिए घातक है।समाज के उत्थान में व्यवधान पैदा करता है।देश मे गृह युद्ध जैसी समस्या नक्सलवाद के कारण फलफूल रही है।सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद घूँटनो पर आ गया है।छतीसगढ़ और नारायणपुर की सीमा पर छह नक्सलियों को पुलिस ने ढेर कर दिया।संयुक्त आपरेशन के बीच नक्सली ढेर कर दिए।पुलिस को आशंका है कि अबुझगढ़ में नक्सली होने का अंदेशा है।गृहमंत्रालय नेभरोसा दिलाया है कि 2026 तक नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा।नक्सलवादियों की साम्यवादी विचारधारा को जड़मूल से कुचल दिया जाएगा।निर्दोष लोगो के लहू से अपनी हसरत पूरी करने वाले नक्सली अब मुख्यधारा से जुड़ने लगे है।आतंकवाद से भी ख़तरनाक नक्सलियों ने समाज मे तहलका मचाया है।राजनैतिक भावना और विचारधारा के समूह माओवादी शवो पर अपने परिवार की किस्मत लिख रहे है,जिसके जीवन का कोई भरोसा नही है।नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए भारत सरकार ने कई उपाय किये गए है।लेकिन जिनके हाथ लहू से रंगे हुए है।उनके के लिए सभी फायदे गौण है।2015 में रास्ट्रीय नीति और कार्य योजना जिसमे बहुआयामी कार्यनीति का क्रियान्वयन किया गया है।प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,रोशनी योजना,कार्य सेवा दायित्व योजना और अब डिजिटल भारत निधि जैसी योजना मुख्यधारा में जुड़ने की सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।नक्सलवाद 2026 के पूर्व खत्म नही होता है तो नक्सलियी के लिए 2026 अंतिम वर्ष होगा।आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास और समाज मे लौटने की व्यवस्था जैसी सुविधाएं सरकार उपलबन्ध करा रही है।वितीय सहायता,व्यवसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक पुनरएकीकरण की व्यवस्था सरकार के जिम्मे है।देश मे नक्सलवादियों के दिमाग मे हत्या जैसी गम्भीर बीमारी लगी है।वामपंथ उग्रवाद से प्रभावित 126 जिलों में अब वर्तमान में 12 जिले बचे है।सरकार ने भरोसा दिलाया था कि अब उग्रवादी घटना उत्तरोत्तर कम होती जाएगी।सरकार ने अपने आंकड़ो को पेश कर उग्रवाद की घटनाओ की कमी होने की पुष्टि की है।2004 से 2014 के पहले उग्रवादी घटनाओ का आंकड़ा16,463 था।उसमें 2014 से 2024 तक 77,00 की घटना हुई है।यह दर्ज की है।नक्सलवाद के कारण पुलिस के हताहत होने की घटना में 73 प्रतिशत कम दर्ज की है।वामपंथी विचारधारा से प्रेरित वामपंथी उग्रवाद ने हजारो निर्दोष लोगो का खून बहाया है।लेकिन अभी तक उग्रवाद में निर्दोष लोगों पर हमले करने वालो को कोई विशेष फायदा नहीं हुआ है।पश्चिमी बंगाल की नक्सलबाड़ी की यह उत्त्पति आज दिन तक चालू है।निर्दोष लोगो के खून से इनको सुकून मिलता होगा।1967 का शोषक जमींदारों के खिलाफ किसानों का विद्रोह हुआ,जो आज दिन तक शांत नही हुआ है।जटिल उग्रवाद में तब्दील युवाओ के जीवन को प्रभावित कर रहा है ।शोषणकारी प्रथाओं के कारण उग्रवाद बढ़ा और नक्सलवाद को बढ़ावा मिला ।उग्रवाद की आंच पूरे भारत को प्रभावित कर रही है।देश की आतन्कवाद और उग्रवाद की समस्या जटिल ही नही है,अनसुलझी दिक्कते है,जिसका निपटारा होना अशक्य नही है,पर इतना सरल भी नही है,जिसको खत्म किया जा सके।लहू से रंगे हाथों को आदत हो गई है।उनको खून से सने हाथों को धोने के लिए पानी की जरूरत नही है,उन्हें तो खून की ही जरूरत है।छतीसगढ़ का बस्तर क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित है।लोग भय के साये में जीवन यापन करते है।लोग 40 साल पहले वाला बस्तर के इंतजार में है।पिछले 10 वर्षो में 8 हजार उग्रवादियों ने आत्म समर्पण किया है।

अभी नक्सलवाद प्रभावित जिलों की संख्या 20 रह गई है।सरकार द्वारा सार्वजनिक बुनियादी की कमी को पूरा करने के लिएविशेष केंद्रीय सहायता के तहत दस करोड़ रुपये की सहायता दी जाती है।सरकार द्वारा विशेष परियोजनाएं प्रदान की जाती है।छतीसगढ़ में उग्रवादियों ने सबसे ज्यादा लोगो की हत्या की है 2024 में सबसे ज्यादा मौते 267 छत्तीसगढ़ में हुई है।इसी वर्ष आंध्रप्रदेश में 1 मौत हुई है।दूसरा नम्बर झारखंड का है।जिसमे 2024 के अंत तक 67 निर्दोष लोग उग्रवादियों के हाथों मारे गए है।सरकार सहनशीलता का दृष्टिकोण अपनाया है।वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रो का पूर्ण विकास करना चाहती है।उग्रवाद की वजह से कई क्षेत्र विकास से वंचित है।सरकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू कर डेड हजार करोड़ लोगों को सड़क ,सम्पर्क औरमोबाइल के सम्पर्क की सुविधा देने का शुरू किया है।माओवादी मुख्यधारा से जुड़े और सरकार इस और प्रयास तेज कर रही है।नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की वजह से 2025 चालू वर्ष के अब तक 90 नक्सली मारे गए है और104 गिरफ्तार हूए है तथा 164 ने आत्म समर्पण किया है।अगर 2024 के वर्ष पर नजर करे,तो 290 नक्सलियों को बेअसर किया है।1090 को गिरफ्तार किया है और881 ने आत्मसमर्पण किया है।उग्रवाद की जड़े सरकार की कड़क नीतियो के कारण कमजोर पड़ गई है।जबकि गृहमंत्री अमित शाह ने अल्टीमेटम दे दिया है कि 2026 के पूर्व सभी उग्रवादियों को समर्पण नही किया तो उग्रवाद का 2026 अंतिम वर्ष होगा।सुरक्षा,विकास और अधिकार के तहत सरकार सशक्तिकरण पर सरकार विशेष रुप से ध्यान दे रही है ।सरकार जातीय कटुता और नस्लीय भेदभाव का कारण जो भी रहा है,उसको विस्मृत कर सरकार ने नए सिरे से शिक्षाऔर बेरोजगारी में वृद्धि का मार्ग खोल दिया है।उग्रवाद को आत्मसमर्पण कर नये जीवन की शुरुआत करने के लिए आह्वान किया है।अब सरकार को भी भरोसा है कि उग्रवाद नेस्तनाबूद होने की कगार पर है।

कांतिलाल मांडोत

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

1.मेष- कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वयं के स्वास्थ्य की समस्या को अनदेखा न करें। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

2.वृष- प्रसन्नता रहेगी। हृदयरोगी सावधान रहें। सुख के साधनों पर व्यय होगा। परिवार के सदस्यों का भरपूर सहयोग मिलेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। लाभ में वृद्धि होगी।

3.मिथुन- नया कार्य प्रारंभ हो सकता है। व्यावसायिक सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार की आमदनी में वृद्धि होगी। बड़ी परेशानी हो सकती है। कष्ट, भय, रोग, चिंता व तनाव हावी रह सकते हैं। रुका हुआ पैसा थोड़े प्रयास से प्राप्त हो सकता है।

4.कर्क- अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। काम में मन नहीं लगेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। सावधानी आवश्यक है। अज्ञात भय सताएगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

5.सिंह- अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बने रहेंगे। नए काम प्राप्त होंगे। लाभ बढ़ेगा। कष्ट, भय व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। सावधानी रहें। लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

6.कन्या- शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार ठीक चलेगा। धनार्जन सहज होगा। राजकीय बाधा उत्पन्न हो सकती है। विवाद न करें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

7.तुला- स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य समय पर पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। पार्टनरों से मतभेद समाप्त होंगे। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि होगी। कार्य की प्रशंसा होगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी।

8.बृश्चिक- आय में कमी रहेगी। दुखद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक रहेगी। आराम का अवसर नहीं मिलेगा, बाकी सामान्य रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। कर्ज में वृद्धि हो सकती है।

9.धनु - लेन-देन में सावधानी रखें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपयश हो। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

10.मकर- भूमि व भवन आदि की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। भाग्य का साथ बना रहेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

11.कुंभ- वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनार्जन होगा। जोखिम न लें। परिस्थिति देखकर हंसी-मजाक करें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास?थ्य की चिंता रहेगी।

12.मीन- भ्रम की स्थिति बन सकती है। पार्टनरों से मतभेद बढ़ सकते हैं। उच्चाधिकारी अप्रसन्न रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में अनावश्यक विलंब होगा। चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। मान घट सकता है। विरोध होगा। शत्रुभय रहेगा। कुसंगति से बचें।

संपादकीय

रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं में ले रही रोजाना पांच सौ जान

यदि आप यातायात नियमों का पालन करने में कोताही कर तेज रफ्तार दौड़ाना और हेलमेट नहीं लगाना जैसी आदतों के शिकार हैं तो जान लीजिए देश में प्रतिदिन 474 से अधिक लोग सड़क हादसे में अपनी जान गंवा देते हैं. भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी 'सड़क हादसे 2023' की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं।2024 और 2025 के आंकड़े और अधिक भयावह हो सकते हैं। भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में हर घंटे लगभग 55 सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं जिनमें 20 लोगों की जान जाती है। 2023 में लगभग 4.80 लाख सड़क हादसे हुए जिनमें 1.72 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। मंत्रालय ने युवाओं की मौतों पर चिंता व्यक्त की है जिनमें 18-45 वर्ष के 66.4% युवा शामिल हैं। भारत में जैसे जैसे गाड़ियों की संख्या और गति बढ़ रही है उससे भी अधिक स्पीड से दुर्घटनाओं में अकाल मरने वालों की तादाद बढ़ी है। इससे देश में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। भारत में कोई दिन ऐसा नहीं है जब देश की सड़कों पर दुर्घटनाओं में खून न बहा हो। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौत के मामले में भारत विश्व में सबसे आगे है। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कभी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सड़क दुर्घटनाएं, 2023 शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में हर घंटे 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों ने वर्ष 2023 के दौरान कुल 4,80,583 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना दी है, जिनमें 1,72,890 लोगों की जान गई और 4,62,825 लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में लगातार चौथे वर्ष तक सड़क दुर्घटना के शिकार ज्यादातर युवा थे। 18-45 पर्ष आयु वर्ग के चुना वयस्कों की संख्या 66.4 प्रतिशत है। राजस्थान की बात करे तो इस अवधि में 24 हजार 694 सड़क हादसों में 11 हजार 400 लोगों की भौतें हुई। भारत में सड़कों और हाईवे के साथ हादसों की रफ्तार भी थमने का नाम नहीं ले रही। देश में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो नहीं जाता जब देश के किसी भाग में सड़क हादसा न होता हो। सड़क पर ट्रक पार्क करना दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण हैं और लोग यातायात अनुशासन का पालन नहीं करते हैं। ऐसा लगता है जैसे सड़के आतंकी हो गई है और हादसे थमने के नाम नहीं ले रहे है। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 1,72,890 मौतों में से 40% से अधिक मौतें हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करने और नशे में वाहन चलाने के कारण हुई हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में मारे गए 54,568 दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिनमें 39,160 चालक और 15,408 यात्री शामिल थे. यह 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 31.6% था. इसी तरह, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले वाहन सवारों में 16,025 मौतें दर्ज की गई, जिनमें 8,441 चालक और 7,584 यात्री शामिल थे, जो वर्ष के दौरान दर्ज कुल मौतों का 9.3% हैं। देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आई। सख्त कानून का उन पर कोई असर नहीं हुआ है। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है। 2023 में सबसे ज्यादा सड़क हादसों में मौतें उत्तर प्रदेश में हुई. यहां 23,652 लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो 2022 (22,595) और 2021 (21, 227) से अधिक है. सबसे कम मौतें अंडमान और निकोबार में दर्ज की गई. यहां सिर्फ 24 लोगों की जान गई है. 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में दिल्ली (1457), बेंगलुरु (915) और जयपुर (849) में सबसे ज्यादा मौतें हुई, जबकि अमृतसर, चंडीगढ़ और श्रीनगर में सबसे कम लोगों की जान गई है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में दर्ज कुल 1,72,890 लोगों की मौत में से 63,112 (36.5 प्रतिशत) राष्ट्रीय राजमागों पर, 39,439 (22.5 प्रतिशत) राज्य राजमार्गों पर और 70,339 (40.7 प्रतिशत) अन्य सड़कों पर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं के कई कारण है। यह अक्सर मानवीय भूल, सड़क के वातावरण और वाहनों को स्थिति जैसे विभिन्न कारकों के प्रतिक्रिया का परिणाम होती है।

वर्ष 2023 में, यातायात नियम उल्लंघन की श्रेणी में, तेज गति से गाड़ी चलाना एक प्रमुख दुर्घटना का कारण था, जिसमें मारे गए लोगों का 68.1 प्रतिशत हिस्सा था। सड़क दुर्घटनाओं में शामिल वाहन श्रेणियों में, लगातार तीसरे वर्ष, वर्ष 2023 के दौरान कुल दुर्घटनाओं और मौतों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। कार, जीप और टैक्सियों सहित हल्के वाहन दूसरे स्थान पर हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के सड़क हादसों के आंकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे देश में लोग जान हथेली पर लेकर चलते है। देश में सड़कों और हाईवे की संख्या बहुत तेजी से पड़ी है। इसी के साथ हादसों की रफ्तार भी थमने का नाम नहीं ले रही। सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं है। इन सभी दुर्घटनाओं के पीछे शराब मादक पदार्थो का इस्तेमाल, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, वाहनों में जरुरत से अधिक भीड़ होना, वैध गति से अधिक तेज गाड़ी चलाना और थकान आदि होना है। ऐसी स्थिति में हादसों में घायल होने वाले पीड़ितों के लिए केंद्र सरकार की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है, जिसके तहत पूरे भारत में सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को कैशलेस इलाज करवाने की सुविधा दी जाएगी। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना के पीड़ित के सात दिन तक इलाज पर अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का खर्च सरकार वहन करेगी। पुलिस को हादसे के 24 घंटे के अंदर सुचित कर दिया जाता है तो केंद्र सरकार पीड़ित के इलाज का खर्च उठाएगी। इसके साथ ही सरकार ने हिट एंड रन मामलों में पीड़ित परिवार को दो लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है। रिपोर्ट में आए मौतों के आंकड़े चिंतित करते हैं. भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन जमीन पर वास्तविक बदलाव लाने के लिए अभी और बहुत कुछ करना बाकी है. हादसे के पीछे की एक वजह नियम को सही तरीके से पालन नहीं कराना भी है. उन्होंने कहा कि हमारे यहां नियमों को लेकर जागरूकता फैलाई जाती है लेकिन उसको पालन कराने पर जोर नहीं दिया जा रहा. दूसरा, अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण भी कई हादसे हो रहे हैं. सड़कों पर लेन मार्किंग साफ नजर नहीं आती हैं, पैदल चलने वालों के लिए जगह नहीं है, कई हाईवे पर मीडियन में गैप है, शार्प टर्न्स पर बोर्ड नहीं है, कई सारे एक्सपोज्ड ऑब्जेक्ट है जिस पर टकराकर लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो जा रहे हैं। ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन, सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य इस्तेमाल और जन जागरूकता अभियान चलाने पर भविष्य में स्थिति में सुधार हो सकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

बड़े सपने,कड़ी मेहनत बड़ी सफलता

कठोर श्रम का कोई विकल्प नहीं।

मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैद्य जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैद्य बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंद्य सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंद्य मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए द्य यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैद्य जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैद्य यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंद्य सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएद्यइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैद्य और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैद्य भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैद्यऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजा मुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

ग्राम गणेशपुर में शिक्षक दिवस पर जागरूकता व सृजनात्मकता का अनूठा संगम

सिधौली (सीतापुर) तहसील क्षेत्र सिधौली के ग्राम गणेशपुर में नव वेलफेयर सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे युवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत मौलिक अधिकार एवं मानसिक स्वास्थ्य जनजागरूकता अभियान की श्रृंखला में आज एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान गांव के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं तथा युवक-यूतियों ने सृजनात्मक तरीके से उपहार तैयार कर अपने गुरुजनों को प्रदान किए। इस अवसर पर शिक्षक दिवस को अत्यंत आकर्षक और हर्षोल्लासपूर्ण ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रोजेक्ट मैनेजर चंद्रशेखर प्रजापति ने विद्यार्थियों को काव्य के माध्यम से सदैव जागरूक और प्रेरित रहने का संदेश दिया। समिति की पदाधिकारी पिंकी प्रजापति ने शिक्षा और जागरूकता को जीवन का आधार बताया, वहीं पूजा वर्मा ने विभिन्न एक्टिविटीज़ के माध्यम से बच्चों को आनंदित किया। गांव के लोग भी इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुए। उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में बीनू यादव, सौरभ यादव, सचिन यादव, फूलबी, आफरीन, इकरा, गुड़िया, रामेंद्र कुमार, सरोजिनी, आफरीन, सुंदरी, अमन, कामिनी आदि रहे। ग्राम गणेशपुर का यह आयोजन न केवल शिक्षक दिवस का उत्सव रहा, बल्कि सामाजिक जागरूकता और शिक्षा की महत्ता को भी उजागर करने वाला कार्यक्रम साबित हुआ।

गणेश महोत्सव का कार्यक्रम हुआ संपन्न

बिसवां सीतापुर कस्बे के मां शीतला देवी मंदिर में करीब एक सप्ताह से चल रहे गणेश महोत्सव कार्यक्रम शनिवार को गणेश की मूर्ति के विसर्जन के साथ संपन्न हो गया। विसर्जन यात्रा की शुरुआत माँ शीतला देवी मंदिर से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों बस स्टाप, सिनेमा चौराहा, रेलवे स्टेशन, मिस्टर गंज, बड़ा चौराहा, रायगंज, बदालपुरवा, और सेठगंज होते चहलारी घाट पहुंची यहां विधि विधान से मूर्तियों का विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा में सैकड़ो श्रद्धालुओ का हुजूम घोड़े और ऊंट पर सवार था विसर्जन यात्रा के दौरान बड़े चौराहे पर मटकी फोड़ने का आकर्षक मंचन किया गया। यात्रा में श्रद्धालु अबीर गुलाल खेलते नगाड़ो कि धुन पर झूमते नाचते गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे लगाते नजर आ रहे थे विसर्जन यात्रा के दौरान जगह जगह पर भंडारे का आयोजन किया जिसमे हजारो की तादात में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया सुरक्षा को लेकर पुलिस दल मुस्तैदी से तैनात रहा ।इस मौके पर समिति के सनी गुप्ता, प्रवीण श्रीवास्तव, प्रशांत गुप्ता, नितिन आर्य,, पियूष मौर्या सोनू शुक्ल, हरेश कनोजिया, अभिषेक पाण्डे, नितिन मिश्रा मनोज वर्मा के अलावा हजारो इस संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

बाल्हेश्वर महादेव में जलविहार और आल्हा गायन से गूँजा मंदिर परिसर

भगवान श्रीकृष्ण और बलराम की आकर्षक झांकी, भक्तों का मन मोहा

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित सुप्रसिद्ध बाबा बाल्हेश्वर धाम में शनिवार को धूमधाम से जलविहार का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया और भगवान भोलेनाथ का पुष्प श्रृंगार किया गया। आयोजन में प्रख्यात आल्हा गायक जयशंकर त्रिवेदी और आल्हा सम्राट लल्लू बाजपेई के पौत्र नयन बाजपेई ने आल्हा उदल के जन्म प्रसंग का गायन कर समा बांध दिया। कार्यक्रम में दूर दराज से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु व ग्रामीणों ने भाग लिया। जलविहार कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण और बलराम की आकर्षक झांकी सजाई गई। देर शाम को मध्यप्रदेश के भिंड की सुप्रसिद्ध गायिका कल्पना दुबे और प्रयागराज के रंजीत राज के बीच विशाल जवाबी कीर्तन का आयोजन हुआ। इस मौके पर मंदिर के प्रधान पुजारी पं. झिलमिल महाराज, पंडित संजू महराज, टेनी बाबा,प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी, बाबू सैनी, राजकिशोर सैनी, बबलू सैनी, पुनीत सैनी, शिवम सैनी, पप्पू सैनी, पिंटू पंडा, पवन सैनी, अंजनी सैनी,सरवन , अशोक सैनी, अर्जुन माली आदि बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ओर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को वितरित किए गए ऋण स्वीकृति पत्र

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज कस्बे के पाण्डेय कॉम्प्लेक्स स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा की ओर से शनिवार को महिलाओं का सशक्तिकरण, समुदायों का सशक्तिकरण विषयक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही 17 समूहों की महिलाओं को लोन स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पंचायत मोहनलालगंज के चेयरमैन प्रतिनिधि एवं नारडको के उपाध्यक्ष अजय पांडेय सत्यम, विशिष्ट अतिथि अमित गोयल (क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र) एवं संजू कुमारी उप क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। शाखा प्रबंधक भारती मिश्रा ने सभी अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि संजू कुमारी ने स्वयं सहायता समूहों के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं अमित गोयल ने महिलाओं को लेखा-जोखा सुव्यवस्थित रखने की सलाह दी और आर.एफ., सी.आई.एफ. एवं लोन संबंधी योजनाओं की जानकारी साझा की। मुख्य अतिथि अजय पांडेय सत्यम ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए बताया कि "स्वयं सहायता समूह एक ऐसा सशक्त प्लेटफार्म है, जिसने गांव-गांव में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। किसी समूह ने पापड़, अचार और मुरब्बा का व्यवसाय शुरू किया, तो किसी ने वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाकर मिसाल कायम की। कहीं महिलाएं अगरबत्ती, मोमबत्ती, धूपबत्ती बनाकर आगे बढ़ीं, तो कहीं हस्तशिल्प, कढ़ाई, सिलाई, कपड़ा व्यवसाय, मशरूम की खेती, डिटर्जेंट-साबुन निर्माण और छोटे उद्यम कर आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने आगे कहा कि आप सब में भी वही क्षमता है, जरूरत है सिर्फ हिम्मत और ईमानदारी से काम करने की। आलोचकों की आलोचना सुनकर भी संगठित होकर मेहनत करेंगे तो न सिर्फ खुद आत्मनिर्भर बनेंगी बल्कि दूसरों को भी रोजगार देंगी।" कार्यक्रम के दौरान 17 स्वयं सहायता समूहों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मंच का संचालन राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अवधेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मनीष पांडे प्रदेश प्रवक्ता, उ.प्र.मा. शिक्षक संघ, प्रवीण यादव कृषि विभाग, बैंक ऑफ महाराष्ट्र आंचल कार्यालय उज्वल शाखा प्रबंधक, कल्ली पश्चिम विशेष सहायक जगराम सिंह, मन्नू राय, शिवम् साहू सहित बड़ी संख्या में सहयोगी व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मनाया गया शिक्षक दिवस

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां/सीतापुर कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर इण्टर कालेज अमरनगर बिसवॉ में हर साल की भॉति शिक्षक दिवस मनाया गया विद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं ने सभी अध्यापकों का सम्मान किया। विद्यालय प्रधानाचार्या एवं प्रबन्धक श्री सुरेन्द्र पाल सिंह महोदय ने समस्त अध्यापकों को भेंट देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया , विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक दिन के अध्यापक/ अध्यापिका का अभिनय किया और पूरे स्कूल के मैनेजमेंट को पूरा दिन सुचारू रूप से संचालित किया , छात्र-छात्राओं ने शिक्षक ने शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया , विद्यालय प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी ने बच्चो को बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन; (5 सितम्बर 1888 - 17 अप्रैल 1975) भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति (1952 – 1962) और द्वितीय राष्ट्रपति रहे। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया था। उनका जन्मदिन (5 सितम्बर) भारत में प्रति वर्ष शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति द्वितीय राष्ट्रपति रहे। उक्त अवसर विद्यालय प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा श्रीमती रेनू मेहरोत्रा , उपाध्यक्षा एकता गुप्ता ,गीता गुप्ता , श्री विवेक कुमार गुप्ता , सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

विधायक अमरेश रावत का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

● .....नशा मुक्त फुल मैराथन च्युरुष' फार विकसित भारत का होगा आयोजन ।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ/मोहनलालगंज। सिसेंडी स्थित आराध्या स्वीट हाउस के सामने आगामी 19 अक्टूबर को स्व. आकाश किशोर उर्फ जैबी की पुण्यतिथि पर होने वाली नशा मुक्त फुल मैराथन दौड़ च्युरुष' फार विकसित भारत के प्रचार यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार रावत का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर विधायक रावत ने कहा कि "हमारा देश युवाओं का है। लेकिन युवा नशे की ओर भटक रहे हैं। यदि वे खेलों की तरफ बढ़ें और नशामुक्त दोस्ती अपनाएँ, तो वे परिवार, समाज और देश के लिए सार्थक योगदान दे सकेंगे।"उन्होंने बताया कि देशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अब तक नशामुक्त समाज अभियान के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ और मैराथन आयोजित की गई हैं। इसी क्रम में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के नेतृत्व में 19 अक्टूबर को सुबह 8 बजे दुबग्गा से भिटौली चौराहा तक नशामुक्त फुल मैराथन का आयोजन होगा। इसमें विजेताओं को 25 लाख रुपये का पुरस्कार जनता के सहयोग से प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री अंजनी शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधांशु सिंह, मंडल अध्यक्ष कि.मो. अभय प्रताप सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह उर्फ बब्लू सिंह समेत अनेक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर विधि विधान से गणेश भगवान की पूजा कर किया गया विसर्जन

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। कस्बे के एक प्रतिष्ठित व्यापारी द्वारा गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर घर पर प्रतिमा रखकर विधि विधान के साथ हवन पूजन कर त्यौहार मनाया। जिसमें कस्बे के अनेक प्रतिष्ठित व्यापारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बताते चले कि, कस्बे के व्यापारी सदाशिव निकम ने अपने घर पर विधि विधान से बाबा गणेश की प्रतिमा गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर रखी थी जिसका नगर में भ्रमण के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वर्मा, शिव भजन स्वर्णकार, संदीप वैश्य, अंकुर वैश्य, घनश्याम चौरसिया, सचिन मौर्या, संतोष जायसवाल, शिव कैलाश सोनी, राजेश सोनी, श्याम प्रकाश वर्मा, धर्मेंद्र लोधी, कंचन वर्मा, दीपक वर्मा, शिव प्रकाश मोदनवाल, मनमोहन सिंह, कमल वर्मा, बृजेश सोनी सहित नगर वासी उपस्थित रहे।

बाबा बैजनाथ धाम से लौटे कांवरियां मंडल ने किया विशाल भंडारा

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां । निगोहां कस्बे में बाबा बैजनाथ धाम से कांवड़ लेकर लौटने पर कांवरियों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। निगोहां इलाके के आधा दर्जन गांवों संतोष शर्मा, शिवचंद गुप्ता, मोनू गुप्ता, अनुज, सुधीर शर्मा,विशाल,अभिषेक गुप्ता,विजय सोनी,सहित लगभग 300 श्रद्धालुओं की टोली निगोहां कस्बे से बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुई। कांवड़ यात्रा लगभग 150 किलोमीटर की थी। श्रद्धालुओं ने धाम पहुंचकर कजरी तीज के अवसर पर बाबा का जलाभिषेक किया और दर्शन के बाद शनिवार को कस्बे म में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और सभी भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कांवड़ मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि निगोहां से करीब 300 कांवरिया बाबा बैजनाथ धाम के लिए निकलते हैं और कजरी तीज के दिन बाबा को जल अर्पित करते हैं। इसके बाद त्रयोदशी के दिन बाबा बैजनाथ का विशाल भंडारा होता है, जिसमें सब्जी, छोले, चावल और हलवे का वितरण किया जाताहै। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों में सुरेंद्र दीक्षित ,अजय सिंह, काका तिवारी, निगोहां ग्राम प्रधान अभयकांत दीक्षित, विकास सिंह, माया राम, बाबू गुप्ता सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

मानपुर थाना क्षेत्र में तालाब हादसा, दो युवकों की दर्दनाक मौत

बिसवां सीतापुर मानपुर थाना क्षेत्र के चमारनपुरवा गांव में शनिवार को सिंघाड़े की दवा डालते समय एक दर्दनाक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, छोटी नाव का संतुलन बिगड़ने से युवक मोहित तालाब में डूब गया। मोहित को डूबता देख उसका साथी अरुण भी उसे बचाने के लिए तालाब में कूद पड़ा, लेकिन वह भी गहरे पानी में समा गया। गांव वालों के प्रयास के बावजूद दोनों की जान नहीं बच सकी। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। इकलौते बेटे की मौत से पिता अयोध्या का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं अरुण के परिवार में पीछे छूटे मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। दोनों घरों में मातम पसरा हुआ है और परिजन बेसुध हैं। मानपुर पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा दिया है।

तेलंगाना में एक्सपोजर विजिट से लौटकर आ गई थावर ग्राम प्रधान

लखनऊ। तेलंगाना राज्य में पंचायती राज विभाग ने ग्राम प्रधान थावर की प्रधान माधुरी सिंह को एक्सपोजर विजिट के लिए भेजा था। वह वहां के तर्ज पर अपने गांव का विकास करेंगे, साथ ही वहां के अनुभव भी अन्य प्रधानों से साझा करेंगे। पंचायती राज विभाग ने महिला शिक्षित ग्राम प्रधान माधुरी सिंह को एक्सपोजर विजिट के लिए तेलंगाना भेजा था। इस विजिट के बाद प्रधान की जनपद में वापसी हुई है। ग्राम प्रधान माधुरी सिंह ने वहां पर ग्राम पंचायतें कैसे कम संसाधनों में बेहतरीन कार्य करती हैं। साथ ही आदर्श ग्राम पंचायत का निर्माण कैसे किया जाता है। इस सब की बारीकी से जानकारी ली, अब वह अपनी ग्राम पंचायत में विकास कार्य करेंगे।माधुरी सिंह ने यह भी कहा कि ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट किए जा रहे हैं। इससे एक-दूसरे प्रदेश के अनुसार विकास कार्य व कार्य का अनुभव साझा कर सकें।

ग्रामवासियों ने विधायक मनीष रावत जी को सौंपा प्रार्थना पत्र, सड़क निर्माण की लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली (सीतापुर) विधानसभा क्षेत्र सिधौली के ग्राम खाले मोड़ना (पुखा) के ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र में सड़क निर्माण की गंभीर समस्या को लेकर माननीय विधायक मनीष रावत (152 - सिधौली) को सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि आज़ादी के लगभग 70 वर्ष बीत जाने के बाद भी उनके गांव में आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। सड़क न होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में कीचड़ और गड्ढों से स्थिति और भी बदतर हो जाती है। गांववासियों ने विधायक जी से आग्रह किया है कि खाले मोड़ना (पुखा) गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि आमजन का आवागमन सुगम हो सके।

ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि माननीय विधायक जी से उन्हें पूर्ण विश्वास है कि वे उनकी दशकों पुरानी समस्या का समाधान कराकर गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने का कार्य करेंगे। इस प्रार्थना पत्र पर राजकुमार कश्यप, रामविलास कश्यप, श्यामू कश्यप, बलिराम राजवंशी, मोहन कश्यप, हनुमान कश्यप, रघुबीर राठौर, रामू कश्यप, राहुल कश्यप, रामआसरे राजवंशी, भैनू कश्यप, सुनील राजवंशी, सर्वेश कश्यप, मनोज कश्यप, स्वामी कश्यप सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

नव वेलफेयर सेवा समिति के सदस्यों को ग्रामीण युवाओं ने किया सम्मानित

● ग्राम गणेशपुर में शिक्षक दिवस पर जागरूकता व सृजनात्मकता का अनूठा संगम

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली (सीतापुर) तहसील क्षेत्र सिधौली के ग्राम गणेशपुर में नव वेलफेयर सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे युवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत मौलिक अधिकार एवं मानसिक स्वास्थ्य जनजागरूकता अभियान की श्रृंखला में आज एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान गांव के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं तथा युवक-यूतियों ने सृजनात्मक तरीके से उपहार तैयार कर अपने गुरुजनों को प्रदान किए। इस अवसर पर शिक्षक दिवस को अत्यंत आकर्षक और हर्षोल्लासपूर्ण ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रोजेक्ट मैनेजर चंद्रशेखर प्रजापति ने विद्यार्थियों को काव्य के माध्यम से सदैव जागरूक और प्रेरित रहने का संदेश दिया। समिति की पदाधिकारी पिंकी प्रजापति ने शिक्षा और जागरूकता को जीवन का आधार बताया, वहीं पूजा वर्मा ने विभिन्न एक्टिविटीज़ के माध्यम से बच्चों को आनंदित किया। गांव के लोग भी इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुए। उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में बीनू यादव, सौरभ यादव, सचिन यादव, फूलबी, आफरीन, इकरा, गुड़िया, रामेंद्र कुमार, सरोजिनी, आफरीन, सुंदरी, अमन, कामिनी आदि रहे। ग्राम गणेशपुर का यह आयोजन न केवल शिक्षक दिवस का उत्सव रहा, बल्कि सामाजिक जागरूकता और शिक्षा की महत्ता को भी उजागर करने वाला कार्यक्रम साबित हुआ।

बच्चों को सिर्फ शिक्षा नही संस्कार भी दे शिक्षक-अंकुर

● ताराशक्ति केन्द्र देवलोक कालोनी में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

स्वतंत्र प्रभात

सरोजनीनगर-लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ0 राजेश्वर सिंह द्वारा देवलोक कालोनी में स्थापित किये गये तारा शक्ति केन्द्र के संचालक अंकुर राज किशोर पासी ने कहा कि शिक्षक बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ ही उन्हें अच्छे संस्कार और शिष्टाचार भी सिखाने चाहिए, क्योंकि एक अच्छा शिक्षक वह है जो अपने छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है और उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। शिक्षा और संस्कार एक दूसरे के पूरक हैं और बिना संस्कारों के शिक्षा अधूरी होती है। श्री अंकुर शनिवार को ताराशक्ति केन्द्र प्रतिभागियों द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों को ज्ञान प्रदान करती है और उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाती है, जिससे वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

जबकि संस्कार बच्चों को जीवन के महत्वपूर्ण नैतिक मूल्यों, जैसे ईमानदारी, सम्मान, दूसरों की मदद करना और सही-गलत में अंतर करना सिखाते हैं। व्यक्तित्व निर्माण में संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि ये बच्चों के चरित्र को मजबूत बनाते हैं और उन्हें एक बेहतर इंसान बनाते हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि उसे गुरु की तरह अपने शिष्यों को संस्कार भी देने पड़ते हैं, ताकि बच्चे अपने जीवन में सफलता और समृद्धि हासिल कर सकें।

शिक्षक छात्रों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और उन्हें जीवन की राह पर चलने के लिए आवश्यक नैतिक और व्यक्तिगत शिक्षा देते हैं। शिक्षकों को यह सिखाना महत्वपूर्ण है कि वे शिक्षकों का सम्मान करें और उनके द्वारा सिखाए गए ज्ञान और मूल्यों के प्रति आभार व्यक्त करें, क्योंकि उनकी मेहनत ही बच्चों के भविष्य को आकार देती है। इस मौके पर शिक्षिका शशि रावत, वर्षा राजपूत व पूजा रावत मौजूद रही।

सड़क पर झुंड लगाएं बैठे रहते आवारा मवेशी, हादसे भय

● राष्ट्रीय राजमार्ग 232 पर आवारा मवेशियों झुंड, राहगीरों का चलना मुश्किल

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र में आवारा मवेशी लोगों की परेशानी का कारण बने हुए हैं। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर झुंड के झुंड मवेशी बैठे दिखाई देते हैं, जिससे राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। खासकर स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों को मवेशियों के अचानक हमले और टकराव का डर बना रहता है। शासन की ओर से आवारा गोवंशों को गौशालाओं में रखने के निर्देश दिए हैं लेकिन जमीनी हकीकत इससे ठीक अलग है।राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को बड़ी संख्या में मवेशी झुंड लगाएं बैठे नजर आए। इसी तरह रायबरेली रोड पर टोल टैक्स के निकट, बाल्हेमऊं नहर पुल, रेल कोच फैक्ट्री के गेट निकट,ऐहार गांव में तिवारी धर्मशाला , पुराने सरकारी अस्पताल के निकट आवारा गोवंश ने सड़कों पर डेरा जमाए देखे जा सकते हैं। इससे वाहन चालकों को आए दिन जाम और दुर्घटनाओं की आशंका का सामना करना पड़ता है। साइकिलों से आने जाने वाले स्कूली बच्चों को इन गोवंशों से हमले का डर बना रहता है। आवारा गोवंशों की वजह से किसान भी परेशान हैं। ये मवेशी खेतों में घुसकर फसलें बर्बाद कर रहे हैं। किसानों को मजबूरी में रात रात भर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इन आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाए ताकि लोगों की सुरक्षा हो सके। इस तरह आवारा मवेशियों की जगह-जगह झुंड लगे रहने से ग्रामीणजन आक्रोशित बताया कि सूचना देने के बाद भी मवेशियों को गौशालाओं में नहीं पहुंचाया गया।

सपा में दिखी नई ऊर्जा , कार्यकर्ताओं के जनसैलाब ने किया भव्य स्वागत

● .....पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल के आगमन पर उमड़ा उत्साह, अम्ब्रीश सिंह पुष्कर की अगुवाई में गूंजे समाजवादी नारे ।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ मोहनलालगंज विधानसभा स्तरीय सपा कार्यालय बिंदौवा में शनिवार को कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मौका था पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल के स्वागत का। फूल-मालाओं और नारों के बीच पटेल का भव्य अभिनंदन हुआ। पूरा कार्यालय समाजवादी नारों और जयघोषों से गूंज उठा। कार्यक्रम की अगुवाई पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का जोश यह साबित करता है कि पार्टी का आधार गांव-गांव तक मजबूत है। कार्यालय से बाहर निकलने के बाद पटेल का काफिला मऊ गांव पहुंचा, जहां ग्रामीणों ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया। इसके बाद वे गोसाईगंज में बूथ प्रभारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत ने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ताओं में है और आज का उत्साह बताता है कि समाजवादी पार्टी आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। नेताओं के स्वागत के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा हुई और नारेबाजी से माहौल जोश और ऊर्जा से भर गया। इस अवसर पर लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष शशिलेंद्र यादव, जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जुलूस के दौरान फोल्डिंग से युवक की कार क्षतिग्रस्त

लालगंज (रायबरेली)। नगर में शुक्रवार को बारावफात के जुलूस के दौरान पटाखे से एक युवक की कार का शीशा टूट गया। जिससे कार में बैठे बच्चे व महिलाएं इस घटना से दहशत में आ गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। कस्बे के बेहटा चौराहा निवासी कृष्णा चौधरी ने बताया कि वह अपने परिवार सहित कार से लौट रहे थे। नगर में निकल रहे जुलूस के दौरान पुलिसकर्मियों के कहने पर उसने अपनी कार को किनारे खड़ा कर दिया। तभी किसी ने उनकी कार के बगल में पटाखा फोड़ दिया। जिससे तेज धमाके के साथ कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और शीशा चकनाचूर हो गया। धमाके की आवाज से उनकी पत्नी व मासूम बच्चा काफी डर गए। पीड़ित ने तत्काल सूचना मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को दी लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद उसने कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी और सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

आयकर रिटर्न, ऑडिट की अंतिम तिथियों बढ़ाने का किया आग्रह

मथुरा। सीए अमित अग्रवाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर आयकर रिटर्न एवं आयकर ऑडिट की अंतिम तिथियों को बढ़ाने का आग्रह किया है। पत्र में अवगत कराया है कि वर्तमान समय में देश के अनेक राज्यों में असामयिक व अत्यधिक वर्षा तथा बाढ़ की भीषण परिस्थितियाँ उत्पन्न हो गई हैं। इन परिस्थितियों के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। परिवहन व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति एवं इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप करदाताओं और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए समयबद्ध ढंग से कार्य संपन्न करना अत्यंत कठिन हो गया है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष आयकर विभाग द्वारा संबंधित आयकर रिटर्न एवं ऑडिट से जुड़े फॉर्म्स जुलाई के अंत में जारी किए गए जिससे करदाताओं एवं पेशेवरों को पर्याप्त तैयारी का समय नहीं मिल पाया। ऐसी परिस्थितियों में करदाताओं के हित एवं राजस्व संग्रह की सुचारुता को ध्यान में रखते हुए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2025 को बढ़ाकर 15 अक्टूबर 2025 तक किया जाए एवं आयकर ऑडिट रिपोर्ट की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 को बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2025 तक किया जाए।

सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ डाला वीडियो पुलिस तक पहुंचा

वीडियो में दिख रहे युवक को ट्रेस करने में लगी पुलिस

मथुरा। एक युवक को सोशल मीडिया पर रौब गांठना भारी पड गया। एक वीडियो में युवक हाथ में तमंचा लेकर इधर उधर लहराता और दिखावा करता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि युवक ने इस वीडियो को अपने फेसबुक स्टेटस पर भी लगाया था। इसके बाद यह वीडियो तेजी से लोगों के बीच फैल गया और चर्चा का विषय बन गया। सूत्रों के अनुसार यह वीडियो थाना नौझील क्षेत्र के गांव पालखेड़ा का बताया जा रहा है। वीडियो में युवक बेखौफ होकर तमंचा लहराता हुआ दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह का प्रदर्शन लोगों में दहशत पैदा करता है।मामला सामने आने के बाद पुलिस भी सतर्क हो गई है। थाना नौझील पुलिस ने वीडियो की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो बनाने वाला युवक कौन है और उसके पास यह तमंचा कहां से आया अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियार के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो डालना गंभीर अपराध है। अगर युवक का तमंचा लाइसेंसी नहीं निकला तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने भी पुलिस से मांग की है कि ऐसे मामलों पर तुरंत सख्त कदम उठाए जाएं ताकि लोग हथियारों का खुलेआम प्रदर्शन न कर सकें। पुलिस ने आश्वासन दिया है। है कि जांच पूरी होते ही आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और युवक की पहचान व हथियार का स्रोत पता लगाया जा रहा है। अवैध हथियार मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी।

श्री अग्रसेन जयंती शोभायात्रा के लिए हुआ 18 राजकुमारों का चयन

मथुरा। श्री अग्रवाल सभा द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत 23 सितम्बर को निकलने वाली शोभायात्रा के लिए सभी 18 राजकुमारों का चयन कर लिया गया है। मीडिया प्रभारी सचिन अग्रवाल के अनुसार राजकुमारों का चयन अग्रवाटिका में समाज के प्रतिष्ठित लोगो के सामने लकी ड्रा द्वारा किया गया। लक्की ड्रा के टोकन एक-एक बच्चे से निकलवाये गये ताकि पूरी निष्पक्षता बनी रहे। सभा के प्रधानमंत्री सुभाष अग्रवाल सिक्का ने बताया कि चयनित राजकुमारों में निमाई सिंघल शांतनु अग्रवाल देवांश मित्तल समर्थ अग्रवाल आयुष बंसल हृदयांश अग्रवाल प्रियांशु बंसल केशव बंसल अर्श अग्रवाल प्रनल अग्रवाल वेदांश सिंघल प्रियांशु अग्रवाल हितार्थ अग्रवाल मुदित अग्रवाल शौर्य अग्रवाल नक्ष गोयल निष्कर्ष मित्तल देवांश अग्रवाल शामिल हैं। सभा के अध्यक्ष अशोक बंसल ने बताया कि चयनित 18 राजकुमार ड्रा में अपना नाम निकलने पर बहुत ही उत्साहित नजर आए। मुख्य चुनाव अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल ने सभी चयनित राजकुमार को बधाई देते हुए कहा कि जिन बालकों का लकी ड्रा नहीं निकला है वह निराश ना हो अगले वर्ष फिर आवेदन करें । लकी ड्रा में उपाध्यक्ष योगेश कागजी, कोषाध्यक्ष राजकुमार रद्दी वाले, तिलक द्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति के अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, मंत्री कृष्ण मुरारी नेताजी, महिला समिति की संयोजिका श्रीमती आशा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल अध्यक्ष रेनू अग्रवाल, मंत्री शशि अग्रवाल मुख्य जयंती संयोजक प्रदीप पोशाक वाले, शोभायात्रा संयोजक गौरांग सिंघल, चंदा संयोजक अतुल शोरावाले, पत्रिका संपादक विजय औषधालय आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर अगसेन जयन्ती महोत्सव पत्रिका का भी विमोचन कर कार्यक्रमों की विधिवत शुरूआत की गई।

भ्रष्टाचार: आफत आने से पहले ही कराह उठती है 'आहत मथुरा'

● लगातार खादर की ओर खिसक रहा है शहर

वृंदावन से कोयला अलीपुर तक हालत बेहद खराब

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। मथुरा में मां यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को यमुना का जलस्तर 167.10 मीटर तक पहुंच गया। जलस्तर बढ़ने के कारण यमुना के निचले इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। अब पानी सड़कों तक आ गया है, जिससे हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। अब पानी सड़कों तक आ गया है, जिससे हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। शहर का प्रमुख दाऊजी घाट रोड, जहां कभी मोटरसाइकिलें फर्राटा भरती थीं, वहां अब यमुना का पानी बह रहा है। यही स्थिति पंचमुखी हनुमान मंदिर घाट और रामघाट क्षेत्र में भी देखने को मिल रही है। यहां सड़कों तक पानी पहुंचने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। बाढ़ का पानी वृंदावन मथुरा की दर्जनों कालोनियों में घुस गया है। हजारों की संख्या में लोगों को मजबूरी में अपना घर छोडकर सुरक्षित स्थानों पर जाना पडा है। वहीं कुछ लोगों ने ऐसी हालत में भी घर को सूना छोडना ठीक नहीं समझा है। कुछ लोगों ने घर की छत पर ही डेरा डाल लिया है। इन लोगों की मुशीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। आसमान में उमडते घुमडते काले मेघ उन्हें डरा रहे हैं। रूकरूक कर बरसात हो रही है जिससे छत पर रहना अपने आप में किसी आपदा से कम नहीं रह गया है। इसके बाद भी लोग घरों को छोड नहीं रहे हैं। बाढ राहत शिविरों का अधिकारी लगातार दौरा कर रहे हैं। जिन इलाकों में पानी भरा है वहां की बिजली कई दिन पहले ही काट दी गई थी। अधिकारी यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी तरह की कोई जनहानि न हो। कक्षा एक से 12 वीं तक के सभी स्कूल बंद है। हालात नियंत्रण में रहे तो आठ सितम्बर को स्कूल खुलेंगे। शनिवार को पानी कुछ नए इलाकों में फैल गया। कुछ ऐसी कंपनियां भी हैं जिनमें पहली बार पानी पहुंचा है हालांकि वर्ष 2023 की तुलना में यमुना में पानी का स्तर अभी कम है। शनिवार को यमुना खतरे के निशान से एक मीटर से भी ऊपर बह रही थी। थाना रिफाइनरी क्षेत्र के निचले इलाकों में घुस आया।

गांव कोयला अलीपुर और आसपास की कॉलोनियों मे पानी भरने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। रात को सब सामान्य था और लोग चैन की नींद सोए थे। लेकिन सुबह उठकर देखा तो हालात बदल चुके थे। यमुना का पानी गांव में घुस आया और खेतों के साथ साथ कई घर भी इसकी चपेट में आ गए। अलीपुर मोड़ से लगी कॉलोनियों में भी पानी भर गया है। कई जगह तो सड़कों पर इतना पानी है कि लोगों के

महापौर विनोद अग्रवाल ने वृंदावन में बाढ़ प्रभावित स्थलों का निरीक्षण किया।

जूते चप्पल तक बह गए। बच्चे और कुछ लोग बाढ़ के पानी में खेलते भी नजर आए, लेकिन ज्यादातर लोग चिंता में डूबे दिखे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे महापौर

महापौर विनोद अग्रवाल ने वृंदावन में बाढ़ प्रभावित स्थलों पानी घाट परिक्रमा मार्ग, टटिया स्थान, देवरहा बाबा घाट, मोहिनी नगर विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर महोदय ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनका हाल चाल जाना तथा राहत स्वरूप खाद्य पदार्थों का वितरण भी किया। और आमजन से यमुना नदी के समीप न जाने की अपील की। इस दौरान उपसभापति मुकेश सारस्वत, पार्षद सुमित गौतम, घनश्याम चौधरी, पार्षद प्रतिनिधि सतीश बघेल, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, सफाई निरीक्षक सुभाष चंद्र एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जलप्लावन: रवी की फसल बुआई को लेकर चिंतित हैं किसान

● यमुना नदी से दूर भी जल प्लावन से जूझ रहे गांव

किसानों को रवी की फसल की बुआई की सताने लगी है चिंता

स्वतंत्र प्रभात

बाढ राहत शिविर से पशुओं के लिए भूसा ले जाते लोगा।

मथुरा। यमुना के खादर में बसी कॉलोनियों और कुछ गांवों में पानी पहुंचने के बाद जिला प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है। वहीं यमुना से कोसों दूर तमाम गांव ऐसे हैं जहां बाढ़ नहीं है इसके बावजूद जलप्लावन की स्थिति बनी हुई। हजारों बीघा धान, ग्वार, बाजरा की फसल नष्ट हो गई है। पशुओं के चारे के लिए पशुपालन जूझ रहे हैं। खेत पानी में डूबे हैं और फसल पानी में तैर गई है। किसानों को अब चिंता इस बात की है कि रवी की फसल की बुआई वह कैसे करेंगे। सरसों की बुआई गैहूं से पहले हो जाती है। गैहूं की बुआई में अभी समय है लेकिन जितना पानी खेतों में भरा है और इस पानी की निकासी का कोई इंतजाम नहीं है ऐसे में किसानों को चिंता है कि बरसात बंद होने के

खेतों में भरा बरसात का पानी।

बाद भी उनके खेतों से पानी को पूरी तरह सूखने में लम्बा समय लगेगा। अभी यह भी सुनिश्चत नहीं है बरसात आगे होगी अथवा नहीं। छाता, गोवर्धन, महावन तहसील में हर वर्ष बडी संख्या में किसान रवी की फसल की बुआई अपने खेतों मे करने से वंचित रह जाते हैं। गोवर्धन तहसील के बछगांव सहित

बाढ से प्रभावित क्षेत्र से निकाले गये पशुओं की देखभाल करती टीम।

आसपास के दर्जनों गावों के आसपास भारी मात्रा में पानी एकत्रित है। सडकें पानी में डूबी हैं। लोगों को आवष्यक वस्तुओं का इंतजाम करने के लिए भी मशक्कत करनी पड रही है। जिला प्रशासन का इस ओर अभी तक ध्यान नहीं गया है। जिला प्रषासन का पूरा ध्यान यमुना जल से प्रभावित क्षेत्रों में है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 64वें शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के 23 सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षकों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि- असम श्रीभूमि जिले के रामकृष्ण नगर शिक्षा खंड के अंतर्गत दुल्लभछड़ा के शिक्षकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित कर पिछले तीन वर्षों से स्कूल में एक विशेष शिक्षकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है। इस महान शिक्षक दिवस के अवसर पर हरे कृष्णा एमवी स्कूल के प्रधानाध्यापक श्यामल सिन्हा और स्कूल के शिक्षकों नेतृत्व में एक विशेष सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरे कृष्ण एमवी स्कूल में शिक्षकों, छात्रों और गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके अलावा, स्कूल में एक चर्चा सभा, शिक्षक सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय कलाकारों द्वारा उद्घाटन संगीत प्रस्तुत करने के साथ हुई। कार्यक्रम में जिले के सेवानिवृत्त शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिले के सेवानिवृत्त और कार्यरत आदर्श 23 प्रतिभाशाली शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिन्हें गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया साथ ही पुरस्कार भी दिए गए। सम्मानित शिक्षकों में श्रीभूमि के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक अशोक दत्त, ह्.ह्.ज्ञ.ष्ट. स्कूल के गियास उद्दीन अहमद, नेहरू गर्ल्स एम वी स्कूल के विज्ञान शिक्षक सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक संजीव दास, नारायण नाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधान चंद्र शेखर

सिंह, पी.ए.एम. श्रीभोद्धन निबिया स्कूल के उप-प्रधान श्याम नारायण यादव, सी.वी.पी. एच स्कूल के सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक सुभाष सिंह, 689 नंबर उत्तर बस्कालीटिला हिंदी एल पी स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक विकास रंजन कलवार, 1177 नंबर छनटिला एल पी स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक गिरेंद्र कुमार सिंह, और 689 नंबर बस्कालटिला एल पी स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक जनार्दन प्रसाद कोहार, हिंदी विद्यालय मॉडल स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक रघुनाथ साहू, 754 लालछड़ा एलपी स्कूल के प्रधान शिक्षक चंदन त्रिपाठी, मॉडल एमई स्कूल के सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षक मनीद्र सिंह, विईयार डाला एमवी स्कूल के प्रधान शिक्षक अशोक कांति श्याम, आदर्श फानाईरबंद एमई स्कूल की शिक्षिका उषा राय शर्मा। मॉडल एमई स्कूल के शिक्षक मलय चौधरी, 1276 नं. सिंगला एलपी स्कूल के शिक्षक चंदन कुमार पाल, 3 नं. दरगारबंद एलपी स्कूल के शिक्षक पुण्यब्रत दास, शांता काली एलपी स्कूल के शिक्षक वीरेंद्र सिंह, पाथरकांदी के 582 नं. खगरागीरस एलपी स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक रंधीर सिंह, 690 नं. मोकामछड़ा एलपी स्कूल के शिक्षक विजय कुमार पांडे, फेटीपात एलपी स्कूल के प्रधान शिक्षक श्याम कुमार यादव, विश्वजीत सिंह शिक्षक और हरेकृष्णा एमवी स्कूल के सहायक शिक्षक उपेंद्र सिंह मौजूद थे. उनके छात्रों के भविष्य के लिए उन्होंने सेवा करते हुए कठिन परिश्रम और शिक्षा के प्रति समर्पण और श्रद्धा के प्रतीक हैं। शिक्षक दिवस का यह आयोजन स्कूल के छात्रों और शिक्षकों के बंधन को और मजबूत करेगा और स्कूल के शिक्षक के लिए उनके अटूट मेहनत और शिक्षा की निष्ठा और श्रद्धा का प्रतीक हैं, जिनसे कितने छात्रों का भविष्य उज्ज्वल किया हुआ है।

शिक्षक दिवस के इस आयोजन से स्कूल के छात्र-शिक्षक के बंधन को और मजबूत बनाया जाएगा और स्कूल के शिक्षक केवल ज्ञान का प्रकाश नहीं फैलाते, बल्कि छात्रों के जीवन में मूल्य, नैतिकता और सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरणा देने में मदद करते हैं। इस दौरान स्कूल के धूमधाम से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दुल्लभछड़ा के जिला परिषद सदस्य प्रणब मुखर्जी मौजूद थे, उन्हें गमछा देकर सम्मानित करने के साथ-साथ स्वागत भी किया गया।

श्रद्धा भक्ति के साथ गणेश प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन सोन नदी में

● बुढार पुलिस प्रशासन की रही तगड़ी व्यवस्था चकाचौंध रही है

पुलिस प्रशासन का सख्त निर्देश छोटे-छोटे बच्चों को

विसर्जन के आसपास नाजर नहीं आने दे रहे थे

गोताखोर कर रहे थे गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल बुढार दिनेश चौधरी बुढार नगर से लेकर ग्रामीणों एवं कोयलांचल क्षेत्र में विभिन्न स्थानों में विराजे गणेश प्रतिमाओं का शनिवार को दोपहर 12ः00 से विसर्जन का कार्यक्रम प्रारंभ इसके पूर्व समिति के सदस्यों द्वारा 10 दिनों तक सिद्धिविनायक की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान से विघ्नहर्ता की पूजा पाठ के दौरान हवन कन्या भोज एवं विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। इसके बाद चार पहिया वाहन एवं दो पहिया वाहनों में गांजे बाजे एवं डीजे के साथ अबीर गुलाल उड़ाते हुए एवं एक दूसरे को लगाकर वाहनों में गणेश जी की प्रतिमा बैठ कर गगन भेदी के जयकारों गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से पुरा नगर गुंजायमान रहा है विघ्नहर्ता को श्रद्धा भक्ति के साथ नाचते गाते हुए भक्तगण इसी के साथ घरों में विराजे सिध्दीविनायक गणपति प्रतिमाओं का किया गया इस अवसर पर नगर में जगह-जगह विराजे गणेश भगवान की पूजा अर्चना भक्ति से पूरा नगर श्रद्धा भक्ति से भक्तगण लीन रहे और इसी तरह प्रतिमाओं का विसर्जन के लिए रुंगटा मोड के पास जेल बिल्डिंग के पास प्रतिमाओं का विसर्जन का विसर्जन कुंड बनाया गया और बुढार नगर पालिका मुख्य अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव जी के द्वारा सभी समितियां से आग्रह किया की कुंड में ही विसर्जन करें जैसे-जैसे कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन कुंड में बुढार से 7 किलोमीटर जवाई सोन नदी में सभी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन ढोल नगाड़े में आतिशबाजियों के साथ सोन नदी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया

गणेश चतुर्थी का परम होते हुए 10 दिनों तक सिद्धिविनायक गणपति के दरबार में माताएं बहने में बच्चों एवं बुजुर्ग लोग सुबह शाम उनकी आरती भक्ति में लीन रहे और दसवें दिन भक्ति में और श्रद्धा से विघ्नहर्ता से प्रार्थना की है विघ्नहर्ता हमारे कासन का निवारण कर दूर करना सुख समृद्धि इसकी कामना मांगते हुए उनको सोन नदी में पूरे भक्ति में से पूजा पाठ कर धूमधाम से विसर्जित किया गया जहां पुलिस प्रशासन की बहुत तगड़ी व्यवस्था रही है पुलिस प्रशासन की व्यवस्था को सराहनी करते हुए भक्तजन एवं प्रतिमा विसर्जनों करने आए हुए भक्त काफी तारीफ की जहां पुलिस प्रशासन गोताखोरों की फुल व्यवस्था कर गणेश प्रतिमाओं की विसर्जन करवा रहे थे।

मानिकपुर का रोमांचक फुटबॉल टूर्नामेंट सप्ताह का सफल समापन

● पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न।

स्वतंत्र प्रभात

असम धेमाजी- 6 सितम्बर। अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन की मानिकपुर क्षेत्रीय समिति द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाला प्राइज मनी फुटबॉल टूर्नामेंट का आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह टूर्नामेंट सप्ताह 6 सितंबर को शुरू हुआ था जिसमें बृहत्तर क्षेत्र की 13 से अधिक टीमों ने भाग लिया था।

आज टूर्नामेंट का एक रोमांचक फाइनल मैच थी जिसमें मानिकपुर कृषक फुटबॉल बनाम मानिकपुर जूनियर फुटबॉल एफसी के बीच खेला गया। मानिकपुर कृषक फुटबॉल एफसी ने पहले हाफ के बाद 2-0 की गल में मैच जीत लिया। यह खेल युवाओं को मोबाइल गेम्स और नशे से दूर रखकर

शारीरिक व्यायाम के माध्यम से शरीर को स्वस्थ रखने के उदेश से आयोजित किया गया था। खेल की अंत में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मानिकपुर कृषक दल को प्रथम पुरस्कार नगद राशि 30,001 रुपये के साथ ट्राफी और दूसरे स्थान पर रहने वाली मानिकपुर जूनियर फुटबॉल एफसी के लिए नकद 20001 रुपए के साथ ट्राफी, सर्वश्रेष्ठ स्कायर के लिए परमेश्वर बोरो, सर्वश्रेष्ठ कीपर के लिए फेलो बोरो और सर्वश्रेष्ठ इमेजिंग खिलाड़ी के लिए अमन बर्मन को पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुरस्कार समारोह लगभग 10,000 दर्शकों, के उपस्थिति में खेल आयोजन समिति और समाज के विभिन्न स्तरों के महानुभवो की उपस्थिति में आयोजित किया गया । अनुष्ठान में उपस्थित होकर धेमाजी के जानेमाने समाजसेवी हरि प्रसाद दाहिंगिया ने युवाओं को उत्साहित करने वाले अपनी भाषण दिया जिसमें उन्होंने धेमाजी जिले का फुटबॉल का मर्यादा अब गांव गांव में मौजूद होने की बात की, और समाज खेल के जरिए एकत्रित होते हैं। आनेवाले दिनों में इस टूर्नामेंट को अधीक व्यापक रूप करने के लिए आयोजक समिति से आह्वान किया।

विमुक्ति होने के बाद भी डीएनटी मैं आने वाली जातियां को शासन की अनेक योजनाओं वंचित, सूची क्रमांक (24) के तहत

● प्रदेश स्तर पर बड़ा दावा किया जा रहा है पर धरातल पर ऊंट के मुंह में जीरे के समान

स्वतंत्र प्रभात

मध्यप्रदेश (मंदसौर) विगत दिनों मे 31अगस्त यह दिवस उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति में मनाया जाता है, जब औपनिवेशिक शासनकाल में लागू ''आपराधिक जनजाति अधिनियम 1871'' को 31 अगस्त 1952 को समाप्त किया गया था। इस कानून के कारण विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध-घुमंतु समुदाय लंबे समय तक सामाजिक अन्याय और प्रतिबंधों का सामना करते रहे। जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया ,उन्होंने कहा कि इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी। अंग्रेजों ने इनके पराक्रम से भयभीत होकर वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया और इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को इससे मुक्ति मिली , आजादी मिलने के बाद भी डी एन टी समुदाय मैं आने वाली जातियां शासन की अनेक योजनाओं का लाभ लेने में वंचित , इस समुदाय में 51जातियां आती हैं, सूची क्रमांक 24 के तहत रेभारी पशुपालक कर रखा है, जब की हमारे रेवेन्यू कागजात से लेकर रेबारी कर रखा है, जिसकी वजह से जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे, और कहीं श्रेत्र, में अर्ध घुमंतु विमुक्त घुमंतू के जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, इस विभाग में रेभारी पशुपालक, शब्द की त्रुटि की वजह से, रेबारी न होकर रेभारी, जाती से अर्ध घुमंतु विमुक्त घुमंतू के जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए है, जो बच्चों के भविष्य को देखते हुए, कहीं समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, और कहीं क्षेत्र में शब्द की त्रुटि की वजह से प्रमाण पत्र जारी करने में असमर्थ हैं, लगभग जनसंख्या चालीस हजार से पचास हजार रेबारी जाति की जनसंख्या निवास करती हैं, सरपंच प्रतिनिधि, डॉक्टर गोविंद रेबारी धानड़ा खेड़ा , इस मुख्य समस्या को लेकर, भोपाल इस विभाग मंत्रालय तक त्रुटि सुधार हेतु मांग करी, पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जब की श्रीमती कृष्णा गौर ने विगत वर्ष अनुसार कहा था कि हमारे पास इस समुदाय मैं आने वाले उन जातियों का डेटा नहीं है उन जातियों का डेटा एकत्रित करेंगे और शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके,जिला कलेक्टर को भी कहीं बार अवगत कराया,जो जाति में शब्द की त्रुटि सुधार करने हेतु, पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतु जनजाति महासंघ मध्यप्रदेश , विद्यार्थी शक्तिशाखा जिला मंदसौर जिला अध्यक्ष हीरालाल रेबारी ने इस मुख्य समस्या को लेकर कहा कि, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बड़े स्तर पर सोशल मीडिया, पर दिखावा करती हैं पर धरातल पर छात्र छात्राओं को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है जो शब्द में त्रुटि को सुधार करे, और डीएनटी के जाति प्रमाण पत्र जारी हो सके, और इसके लिए ग्राम पंचायत पर शिविर लगाया जाए।

जनपद में कई जगह गिरी आकाशीय बिजली

● आकाशीय बिजली से एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

मथुरा। जनपद में कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं हुई है। यमुना में बाढ़ और आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला। बरसाना में राधारानी मंदिर में बिजली गिरने से करंट फैल गया जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए। शेरगढ़ में एक सब्जी विक्रेता की बिजली गिरने से मौत हो गई जबकि सुरीर में एक बालिका समेत तीन लोग झुलस गए। भारी बारिश के कारण शहर में जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। यमुना में आई बाढ़ की विभीषिका और भारी वर्षा संग आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं से सनसनी फैल गई। बरसाना कस्बा में प्राइमरी स्कूल परिसर के पेड़ पर बिजली गिरने से राधारानी मंदिर की रेलिंग में करंट दौड़ गया। मंदिर सेवायत समेत एक दर्जन श्रद्धालुओं को झटका लगा।

इससे मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में अफरा तफरी मच गई। आसपास के घरों में लगे बिजली उपकरण फुंक गए। शेरगढ़ कस्बा में बिजली गिरने से एक सब्जी विक्रेता की जान चली गई। सुरीर क्षेत्र में भी बिजली गिरने से बालिका समेत तीन लोग झुलस गए। शहर व देहात क्षेत्र में हुई वर्षा से जगह जगह जलभराव होने से आवागमन प्रभावित हो गया। इसके कारण लोगों की परेशानियां और बढ़ गई। बिजली गिरने के साथ ही 20 मीटर दूर बने राधारानी मंदिर के सोलर प्लांट का करंट राधारानी मंदिर की लोहे की रेलिंग में दौड़ गया। इससे मंदिर सेवायत समेत एक दर्जन श्रद्धालुओं को झटका लगा तो वे इधर उधर जा गिरे। शुक्रवार की दोपहर तीन बजे राजागढ़ी निवासी राजू की पुत्री राधा अपने घर में मोबाइल फोन चला रहीं थी। तभी आकाशीय गर्जना हुई।

चचेरे भाई की हत्या करने के बाद किया भाभी का अपहरण

● भाभी को अगवा करने के बाद मारपीट कर फेंक गये थे जंगल में

पांच दिन बाद पांच हत्यारोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। चचेरे भाई की हत्या करने के बाद भाभा का अपहरण किया और मारपीट कर मरणासन्न अवस्था में जंगल में फैंक गये थे। चार साथियों के साथ पूरे घटनाक्रम का मास्टर माइंड को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सदर बाजार पुलिस ने व्यक्ति की हत्या कर तथा उसकी पत्नी को मरणासन्न हालत में फैंक जाने तथा उसके घर से सोने व चाँदी का समान चोरी कर ले जाने के पांच अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार तथा चोरी किये गये सोने, चांदी का सामान व नगदी तथा घटना में प्रयुक्त वाहन व दो अभियुक्तों से एक एक अवैध तंमचा व एक एक कारतूस बरामद किया है। आदि उर्फ आदित्य पुत्र जगदीश निवासी मोहल्ला औरंगाबाद थाना सदर बाज़ार, गौरव पुत्र महेश निवासी मोहल्ला औरंगाबाद थाना सादर बाजार, अंकित पुत्र वेद प्रकाश मूल निवासी बापू नगर थाना बापू नगर जिला भीलवाड़ा हाल निवासी कदम्ब विहार थाना रिफाइनरी, फैज़ान पुत्र पप्पू निवासी मेवाती मोहल्ला डीग गेट थाना गोविंदनगर तथा विवेक उर्फ वीके पुत्र कल्याण सिंह निवासी गोपाल पुरा थाना रिफाइनरी (इको चालक) को शनिवार को एनसीसी तिराहे से आगे रामलीला ग्राउण्ड से पहले खाली मैदान के पास से गिरफ्तार किया है। संजू पत्नी आनन्द ने दो सितम्बर को थाना सदर बाजार पर लिखित तहरीर दी कि मेरा पति आनन्द उर्फ सूखा जो कि माल ढोने वाले रिक्शा चलाते है को एक सितम्बर को रात छह बजे मेरे पति के फोन पर किसी अजात व्यक्ति का फोन आया जिसनें यह कहा कि भाडे पर रिक्शा चाहिए। मेरे पति रिक्शा लेकर चले गये। रात लगभग 11 बजे मेरे फोन पर मेरे पति के फोन से फोन आया कि तुम्हारा पति दारू पीकर पडा हुआ है इसे ले जाओ। मैं घबरा गयी तथा तुरन्त घर से चल दी। मैं जैसे ही गोकुल बैराज रोड पर पहुँची उन्होने मुझे पकडकर गाडी में डाल कर

पति पत्नी को अगवा कर पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों की जानकारी देतीं पुलिस अधिकारी।

अजात स्थान पर ले गये तथा मेरे साथ मारपीट कर जंगल में डालकर चले गये। जब मुझे होश आया तो मैं पैदल चलकर लगभग सुबह 8 बजे घर लौट कर आ गयी। मेरा पति मय रिक्शा के अभी तक लापता है। मेरा पति गौकुल बैराज मोड पर बॉस बल्ली आदि की टाल पर काम करता था।

चचेरे भाई ने लिखी हत्या की पटकथा

पुलिस के मुताबिक आदि उर्फ आदित्य मृतक आनंद उर्फ सूखा के सगे चाचा का बेटा है तथा सारी घटना का सूत्र धार है। पैसों की तंगी एवं लालच के चलते अपने ताऊ के बेटे आंनद जो कि एक रिक्शा से माल ढोने का काम करता था को अपने साथियों के साथ मिलकर झूठ बोलकर अंकित शर्मा के घर बुलाया और हत्या कर दी।